

धुएं भरी रात



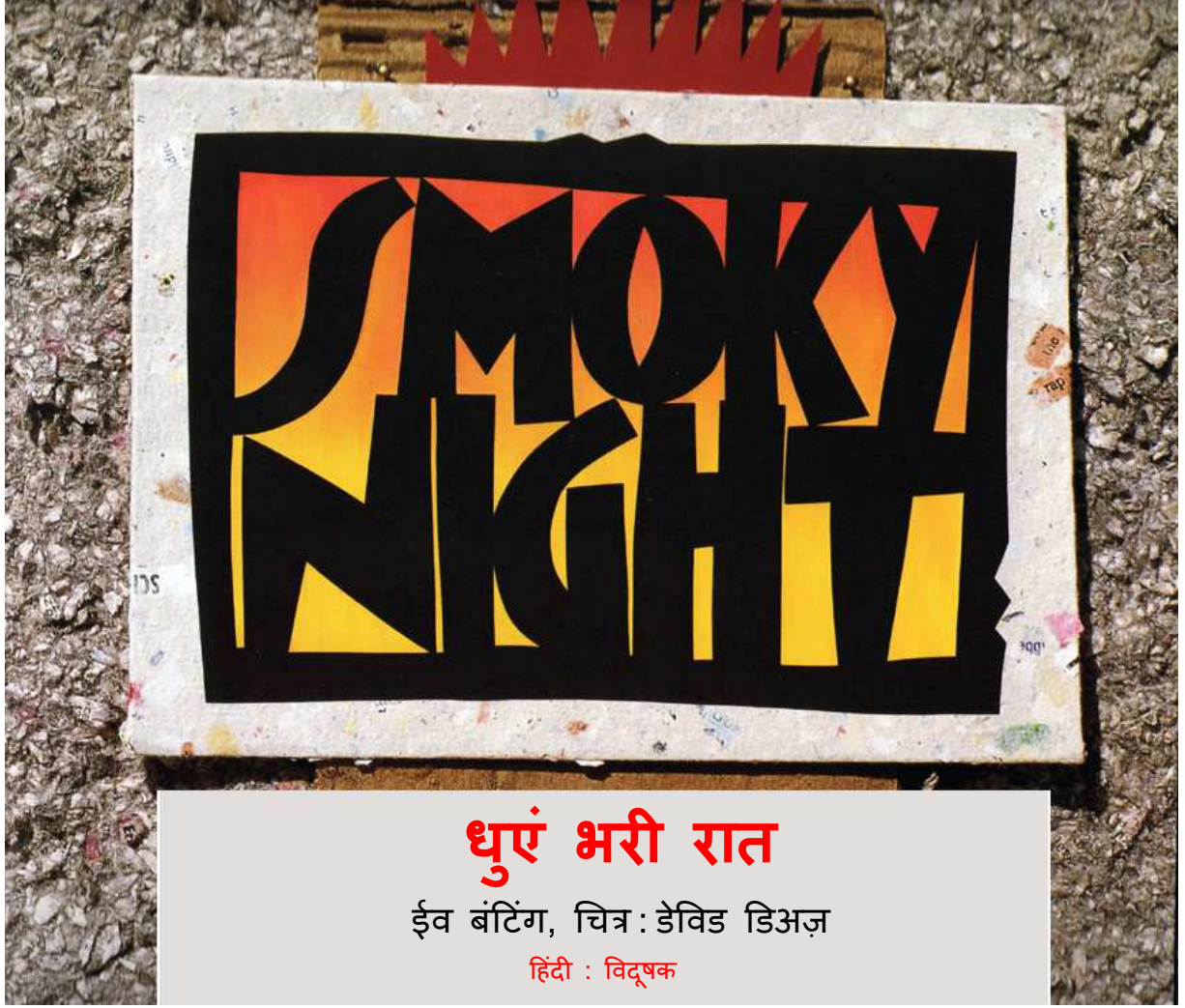
डेनियल और उसकी माँ ने खिड़की के बाहर देखा. बाहर धुआं ही धुआं था. सड़क पर लोग लूटपाट में लगे थे. दूर-दूर तक आग जल रही थी. यह देखकर डेनियल ने अपनी बिल्ली जस्मीन को कस कर पकड़ा. पर बाद में उन्हें अपनी बिल्डिंग छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा. फिर जस्मीन कहीं गायब हो गई.

मिसिज़ किम की बिल्ली भी नदारद थी. दोनों बिल्लियाँ कहाँ गईं? दोनों बिल्लियों में बिलकुल बनती नहीं थी, इसलिए उनका एक साथ होना असंभव था ...

धुएं भरी रात ऐसी बिल्लियों और लोगों की कहानी है जिनमें आपस में बिलकुल नहीं बनती थी. पर लूटपाट वाली रात की घटनाओं के बाद वे अचानक एक-दूसरे के करीब आते हैं.

1995 के प्रसिद्ध **कैलडीकोट अवार्ड** से सम्मानित.

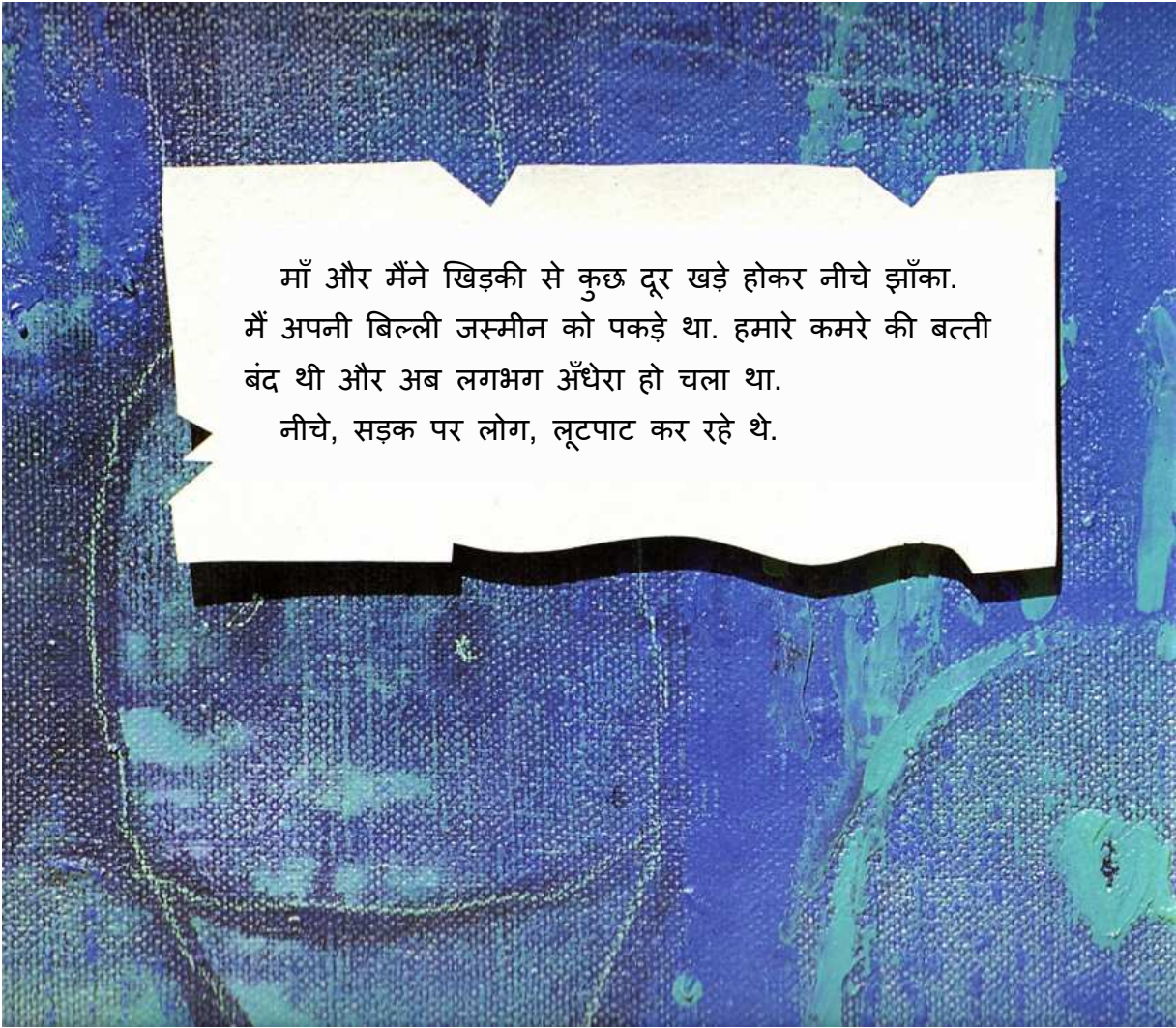




धुएं भरी रात

ईव बंटिंग, चित्र : डेविड डिअज़

हिंदी : विदूषक



माँ और मैंने खिड़की से कुछ दूर खड़े होकर नीचे झाँका.
मैं अपनी बिल्ली जस्मीन को पकड़े था. हमारे कमरे की बत्ती
बंद थी और अब लगभग अँधेरा हो चला था.
नीचे, सड़क पर लोग, लूटपाट कर रहे थे.



CAUTION!

**TWO PEOPLE REQUIRED
TO HANDLE AND USE
THIS INSTRUMENT**

माँ ने मुझे दंगों के बारे में समझाया. "दंगे तब होते हैं जब लोग गुस्से में होते हैं. तब वो हर चीज़ को तोड़कर नष्ट करना चाहते हैं. उस समय वो सही-गलत, अच्छे-बुरे जैसे सवालों के बारे में नहीं सोचते."

नीचे भयंकर तोड़-फोड़ चल रही थी. खिड़कियाँ, मोटरकार और स्ट्रीट-लाइट्स तोड़ी जा रही थीं.

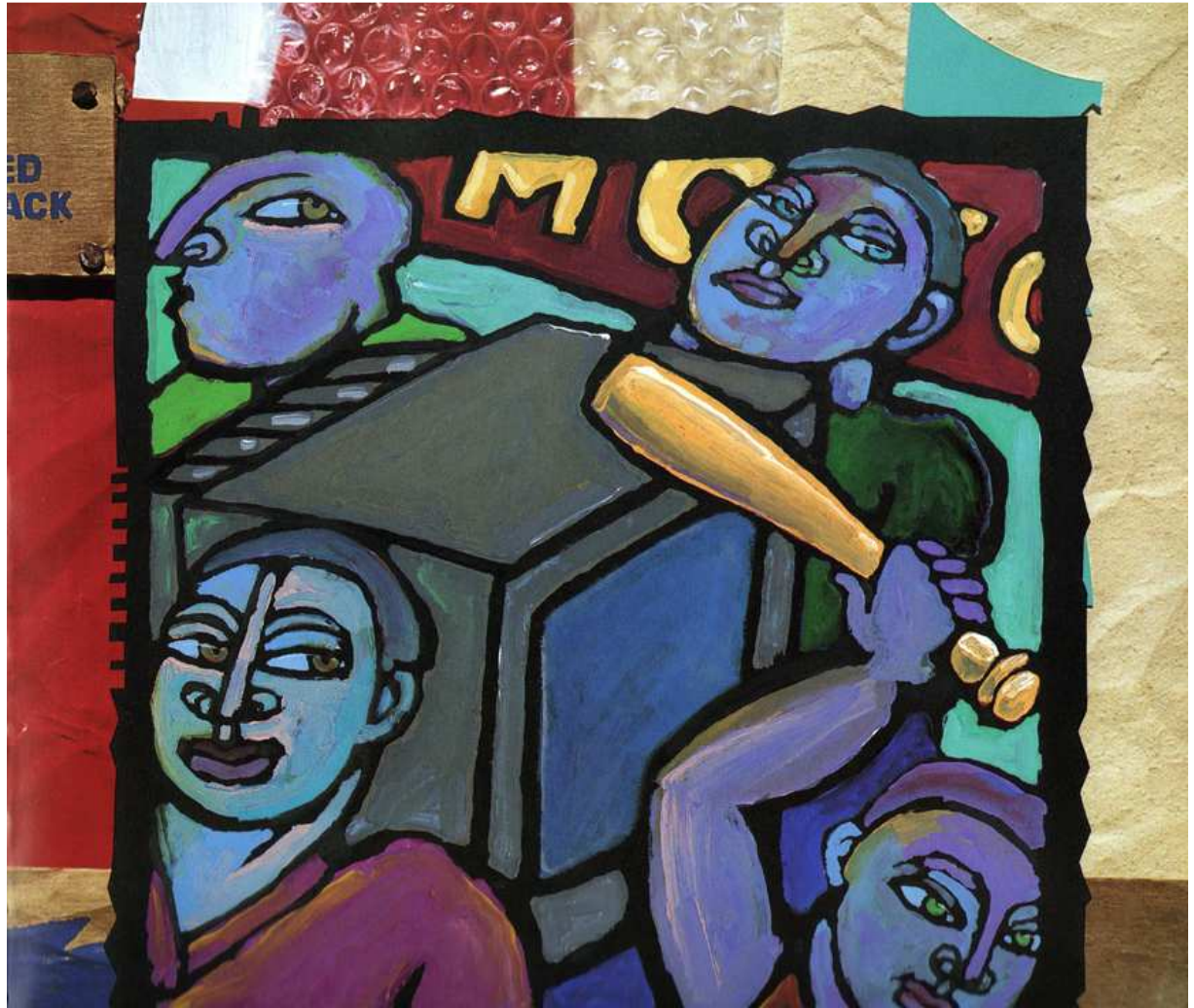
"लोग गुस्से में हैं. पर कुछ लोग खुश भी लग रहे हैं," मैंने हल्के से कहा.

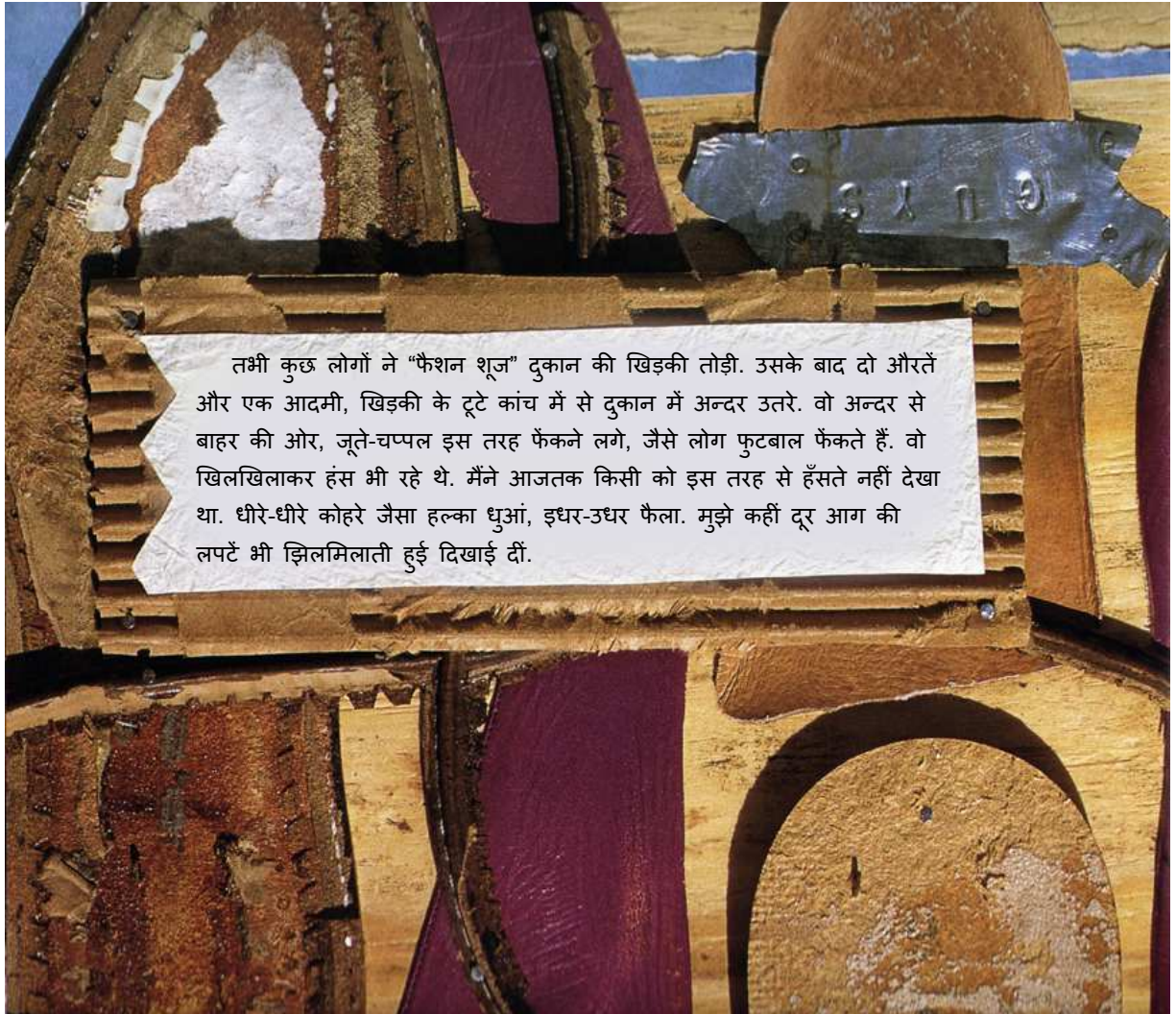
"कुछ देर बाद लूटपाट करना, लोगों के लिए एक खेल बन जाता है," माँ ने कहा.

दो लड़के "मोर्टन स्टोर" से एक टेलीविज़न चुराकर ले जा रहे थे. क्योंकि टेलीविज़न बहुत भारी था, इसलिए उन्हें उसे उठाने में दिक्कत हो रही थी.

"क्या वो चोरी कर रहे हैं?" मैंने पूछा.

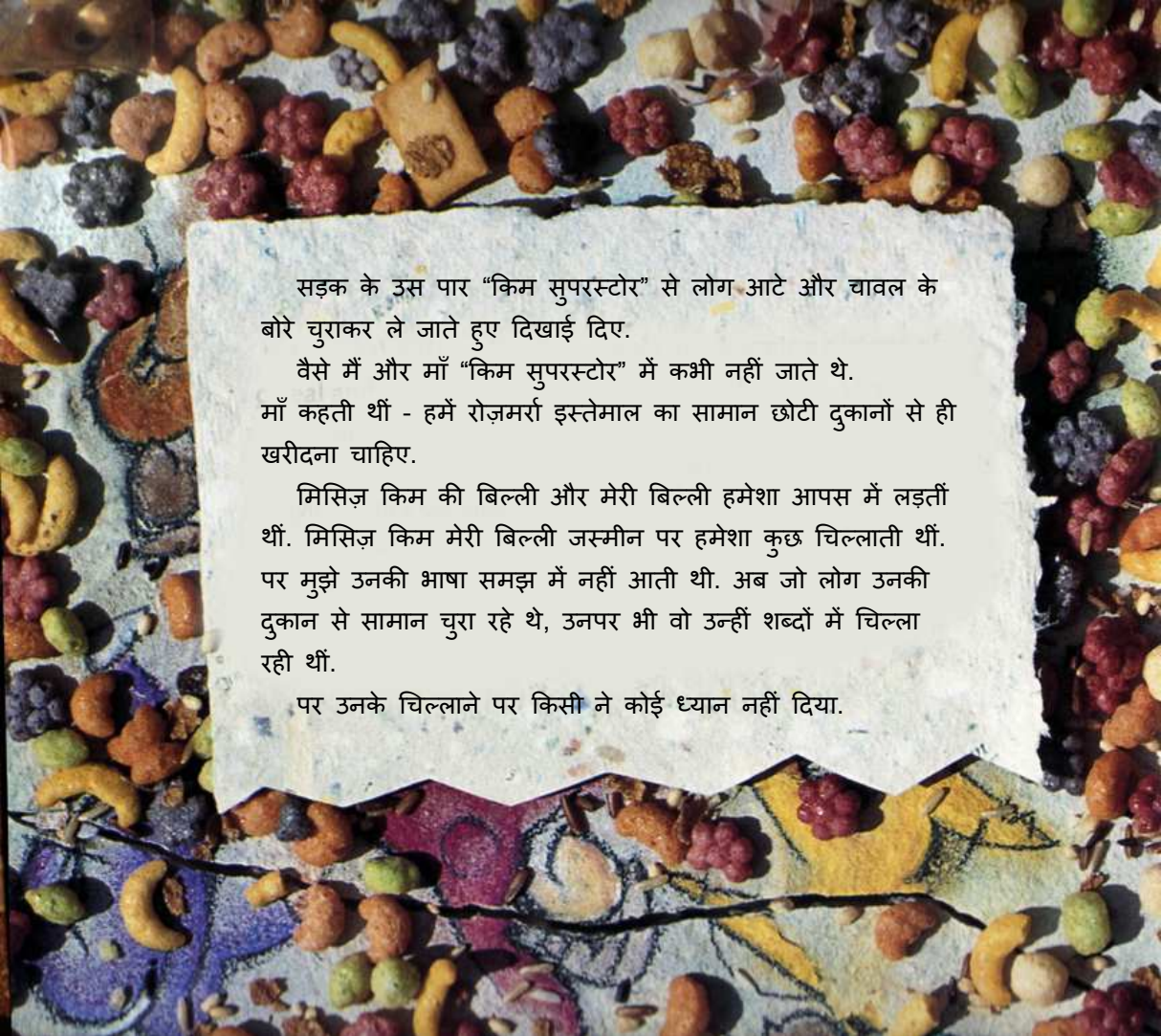
"हाँ," माँ ने अपना सर हिलाया.





तभी कुछ लोगों ने “फैशन शूज” दुकान की खिड़की तोड़ी. उसके बाद दो औरतें और एक आदमी, खिड़की के टूटे कांच में से दुकान में अन्दर उतरे. वो अन्दर से बाहर की ओर, जूते-चप्पल इस तरह फेंकने लगे, जैसे लोग फुटबाल फेंकते हैं. वो खिलखिलाकर हंस भी रहे थे. मैंने आजतक किसी को इस तरह से हँसते नहीं देखा था. धीरे-धीरे कोहरे जैसा हल्का धुआं, इधर-उधर फैला. मुझे कहीं दूर आग की लपटें भी झिलमिलाती हुई दिखाई दीं.





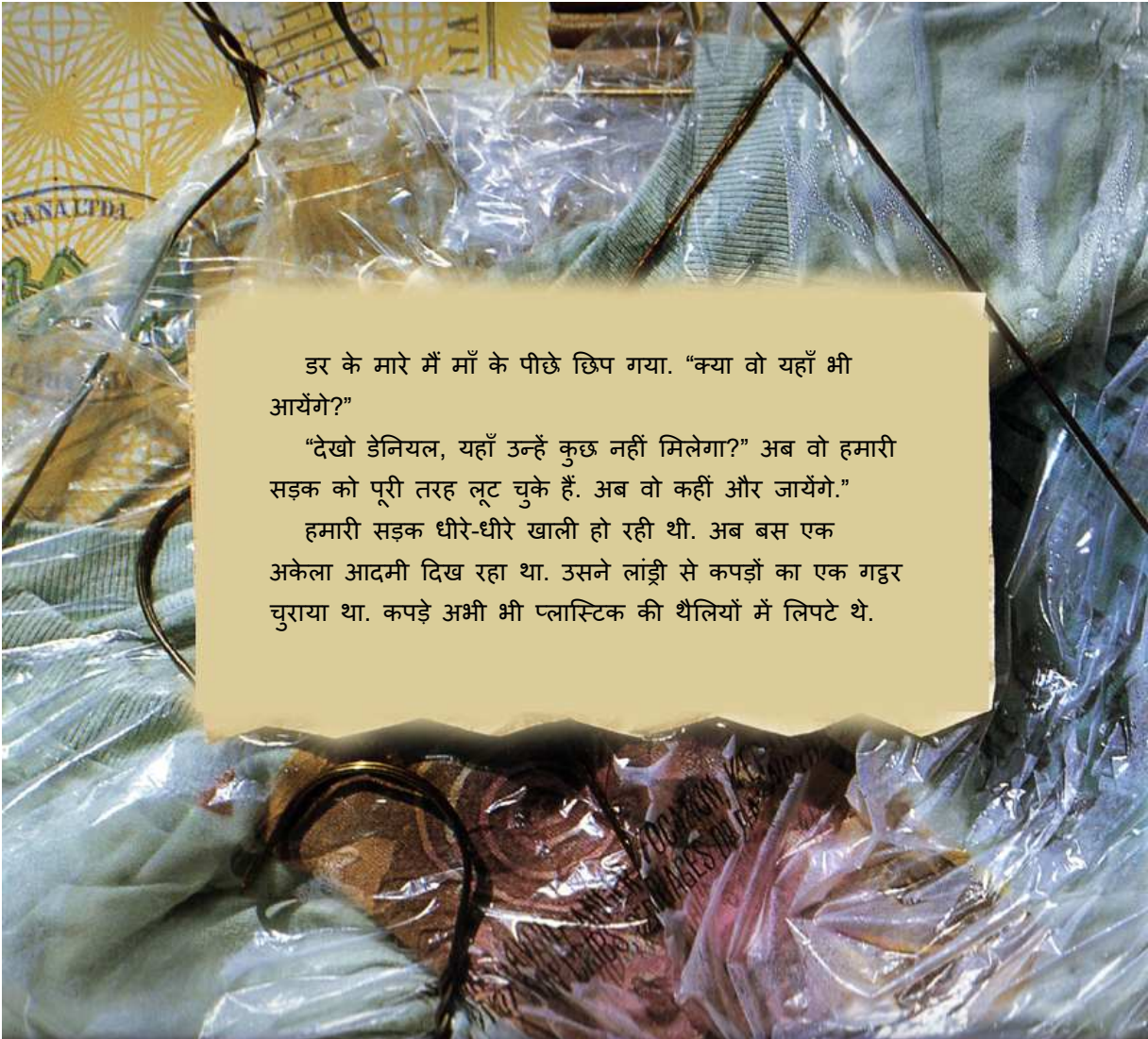
सड़क के उस पार “किम सुपरस्टोर” से लोग आटे और चावल के बोरे चुराकर ले जाते हुए दिखाई दिए.

वैसे मैं और माँ “किम सुपरस्टोर” में कभी नहीं जाते थे. माँ कहती थीं - हमें रोज़मर्रा इस्तेमाल का सामान छोटी दुकानों से ही खरीदना चाहिए.

मिसिज़ किम की बिल्ली और मेरी बिल्ली हमेशा आपस में लड़तीं थीं. मिसिज़ किम मेरी बिल्ली जस्मीन पर हमेशा कुछ चिल्लाती थीं. पर मुझे उनकी भाषा समझ में नहीं आती थी. अब जो लोग उनकी दुकान से सामान चुरा रहे थे, उनपर भी वो उन्हीं शब्दों में चिल्ला रही थीं.

पर उनके चिल्लाने पर किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया.



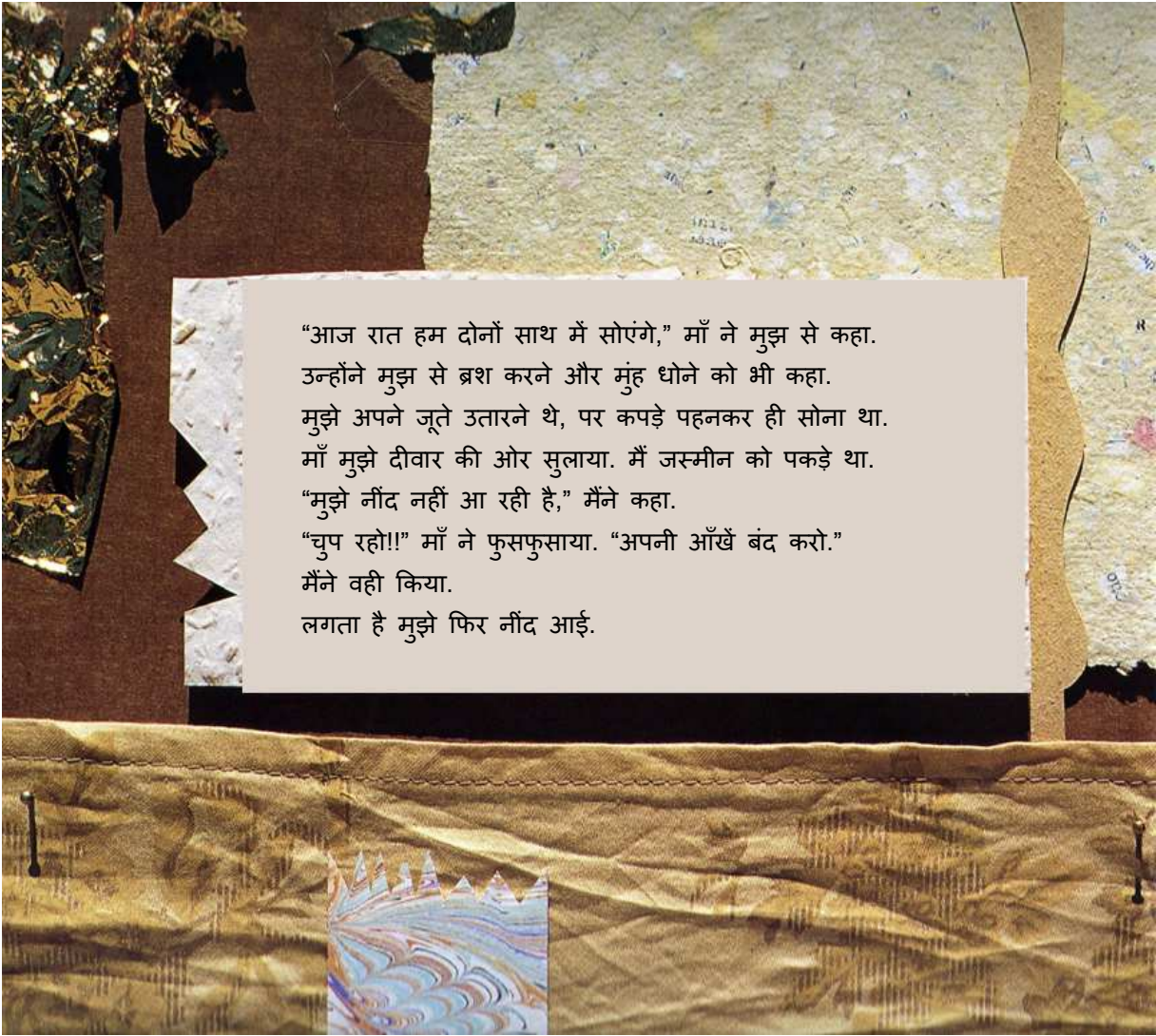


डर के मारे मैं माँ के पीछे छिप गया. “क्या वो यहाँ भी आयेंगे?”

“देखो डेनियल, यहाँ उन्हें कुछ नहीं मिलेगा?” अब वो हमारी सड़क को पूरी तरह लूट चुके हैं. अब वो कहीं और जायेंगे.”

हमारी सड़क धीरे-धीरे खाली हो रही थी. अब बस एक अकेला आदमी दिख रहा था. उसने लांझी से कपड़ों का एक गट्टर चुराया था. कपड़े अभी भी प्लास्टिक की थैलियों में लिपटे थे.





“आज रात हम दोनों साथ में सोएंगे,” माँ ने मुझे से कहा.
उन्होंने मुझे से ब्रश करने और मुँह धोने को भी कहा.
मुझे अपने जूते उतारने थे, पर कपड़े पहनकर ही सोना था.
माँ मुझे दीवार की ओर सुलाया. मैं जस्मीन को पकड़े था.
“मुझे नींद नहीं आ रही है,” मैंने कहा.
“चुप रहो!!” माँ ने फुसफुसाया. “अपनी आँखें बंद करो.”
मैंने वही किया.
लगता है मुझे फिर नींद आई.



फिर मुझे माँ ने झकझोर कर जगाया.

“जल्दी, डेनियल! उठो!!”

धुएं की ज़बरदस्त बदबू आ रही थी. कोई हमारे दरवाज़े को ज़ोरों से खटखटा रहा था. “आग! आग!”

अचानक मेरी नींद खुली. “जस्मीन कहाँ गई? मैंने इल्मारी खोल कर देखी, क्योंकि कभी-कभी जस्मीन वहां कपड़ों में सो जाती थी.

माँ मुझ पर चिल्लाई. “हम इंतज़ार नहीं कर सकते. जस्मीन भाग गई होगी. जल्दी से अपने जूते पहनो. जल्दी करो!”

हम दौड़कर सीढ़ियाँ उतरे. हमारे साथ और काफी लोग भी थे. धुएं से मुझे खांसी आई.

मिस्टर रामिरेज़ हमारे आगे थीं, वो लिस्सा और छोटी बेबी को पकड़े थीं. दोनों चिल्ला रही थीं.

“ये लोग गुंडे और बदमाश हैं,” वो चिल्लाये. “पक्के गुंडे!”

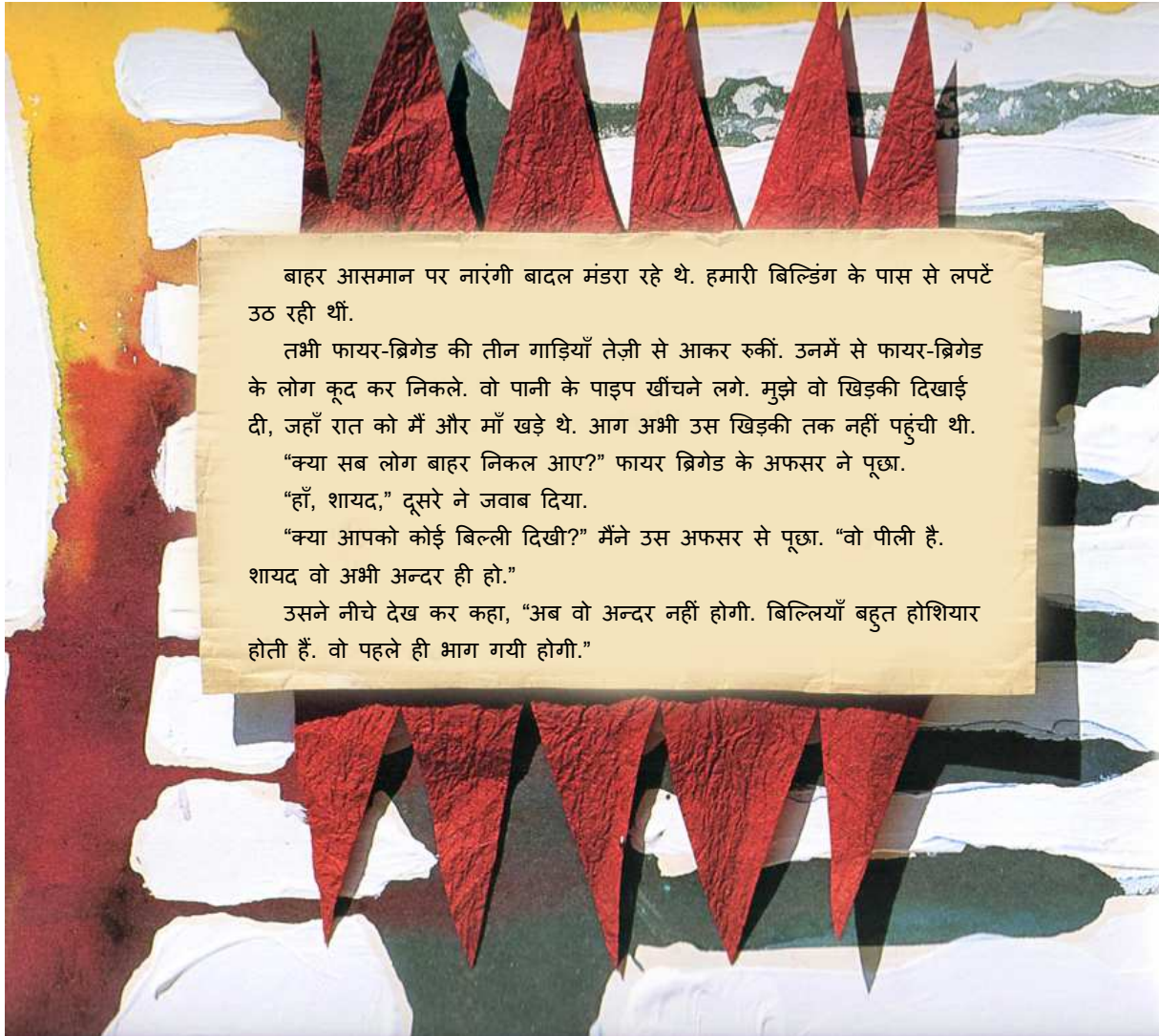
मिसेज़ रामिरेज़, अपने पति के आगे थीं. उनके हाथ में पिंजरा था, जिसमें उनका तोता लोको था. लोको भी जोर-जोर से चीख रहा था.

“क्या आपने जस्मीन को देखा, मिस्टर रामिरेज़?” मैंने उनसे पूछा.

उन्होंने अपना सर हिलाया. लगता है उन्हें मेरा सवाल ही सुनाई नहीं दिया.

“देखो रेलिंग मत पकड़ो,” उन्होंने मुझे सावधान करते हुए कहा, “वो गरम है.”





बाहर आसमान पर नारंगी बादल मंडरा रहे थे. हमारी बिल्डिंग के पास से लपटें उठ रही थीं.

तभी फायर-ब्रिगेड की तीन गाड़ियाँ तेज़ी से आकर रुकीं. उनमें से फायर-ब्रिगेड के लोग कूद कर निकले. वो पानी के पाइप खींचने लगे. मुझे वो खिड़की दिखाई दी, जहाँ रात को मैं और माँ खड़े थे. आग अभी उस खिड़की तक नहीं पहुँची थी.

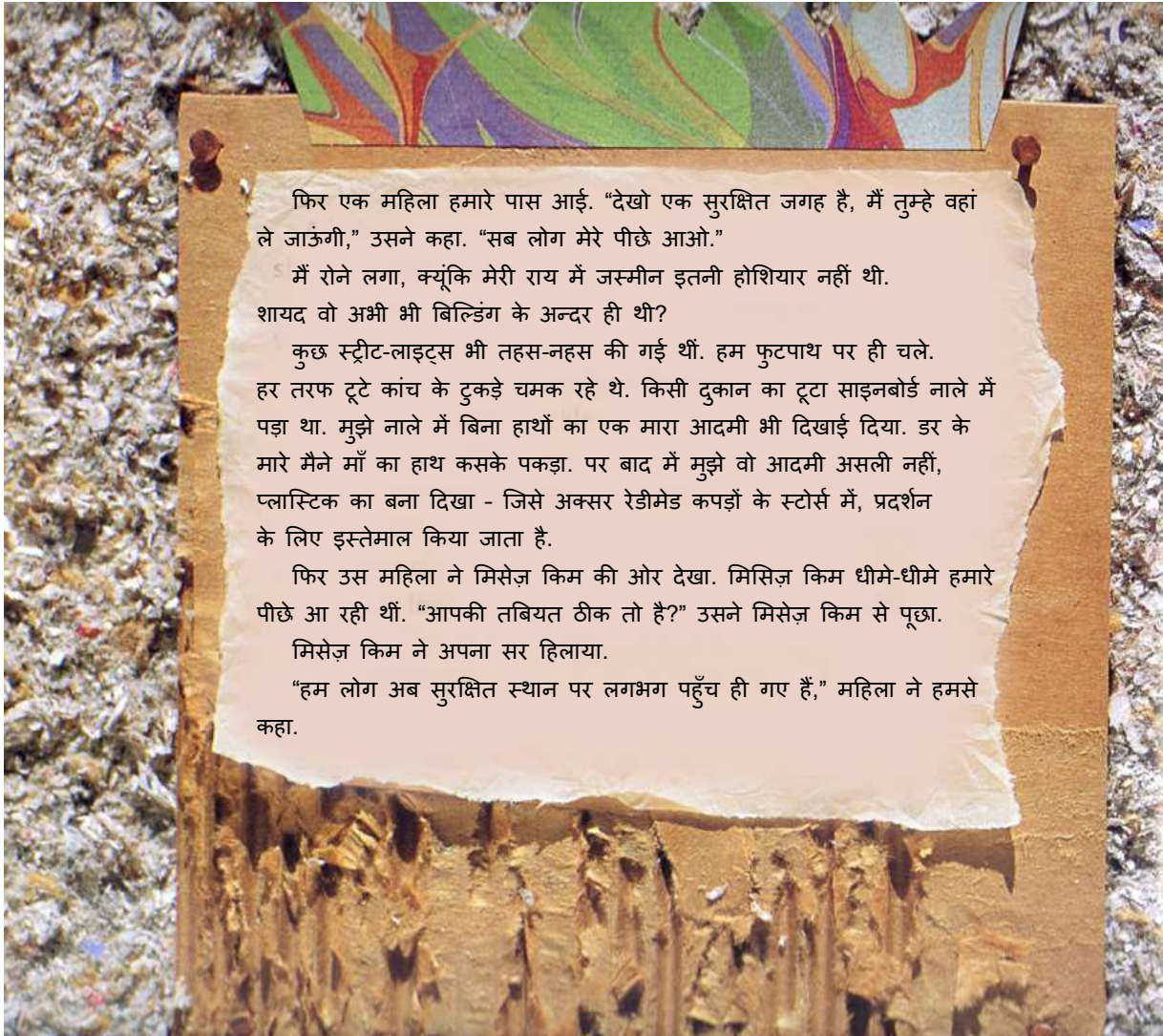
“क्या सब लोग बाहर निकल आए?” फायर ब्रिगेड के अफसर ने पूछा.

“हाँ, शायद,” दूसरे ने जवाब दिया.

“क्या आपको कोई बिल्ली दिखी?” मैंने उस अफसर से पूछा. “वो पीली है. शायद वो अभी अन्दर ही हो.”

उसने नीचे देख कर कहा, “अब वो अन्दर नहीं होगी. बिल्लियाँ बहुत होशियार होती हैं. वो पहले ही भाग गयी होगी.”





फिर एक महिला हमारे पास आई. "देखो एक सुरक्षित जगह है, मैं तुम्हे वहां ले जाऊंगी," उसने कहा. "सब लोग मेरे पीछे आओ."

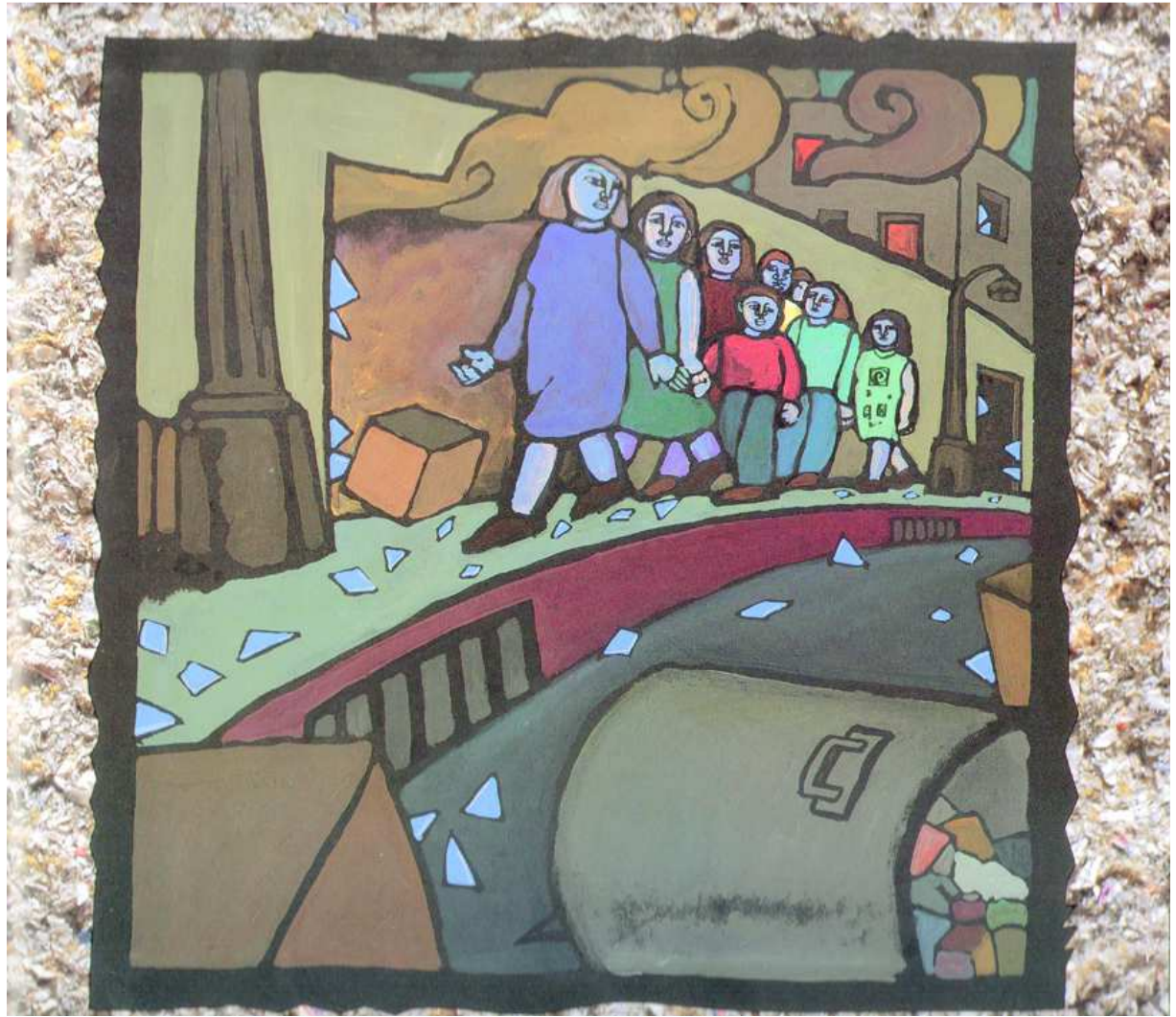
मैं रोने लगा, क्योंकि मेरी राय में जस्मीन इतनी होशियार नहीं थी. शायद वो अभी भी बिल्डिंग के अन्दर ही थी?

कुछ स्ट्रीट-लाइट्स भी तहस-नहस की गई थीं. हम फुटपाथ पर ही चले. हर तरफ टूटे कांच के टुकड़े चमक रहे थे. किसी दुकान का टूटा साइनबोर्ड नाले में पड़ा था. मुझे नाले में बिना हाथों का एक मारा आदमी भी दिखाई दिया. डर के मारे मैंने माँ का हाथ कसके पकड़ा. पर बाद में मुझे वो आदमी असली नहीं, प्लास्टिक का बना दिखा - जिसे अक्सर रेडीमेड कपड़ों के स्टोर्स में, प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल किया जाता है.

फिर उस महिला ने मिसेज़ किम की ओर देखा. मिसिज़ किम धीमे-धीमे हमारे पीछे आ रही थीं. "आपकी तबियत ठीक तो है?" उसने मिसेज़ किम से पूछा.

मिसेज़ किम ने अपना सर हिलाया.

"हम लोग अब सुरक्षित स्थान पर लगभग पहुँच ही गए हैं," महिला ने हमसे कहा.



सुरक्षित स्थान दरअसल चर्च का हॉल था. वहां पर सोने के लिए कुछ पलंग थे और एक मेज़ पर चाय और कॉफी का इंतजाम था. दो आदमी सैंडविच बना रहे थे. मैंने मक्खन का इतना बड़ा डिब्बा पहले कभी नहीं देखा था.

वहां हमारी मुलाकात बिल्डिंग के और लोगों से भी हुई. दंगों के पीछे किसका हाथ है? वो सब इस विषय पर चर्चा कर रहे थे और अपने भविष्य के बारे में भी सोच रहे थे.

“यह बड़ी उदास और दुःख से भरी रात है,” मिस्टर जैक्सन ने कहा.

मैंने उनसे जस्मीन के बारे में पूछा.

उन्होंने पक्के तौर पर मेरी बिल्ली जस्मीन को देखा था. “वो इमारत से निकलकर भाग गई, डेनियल,” उन्होंने मुझसे कहा. कहीं उन्होंने यह शब्द मुझे सांत्वना और दिलासा देने के लिए तो नहीं कहे.

“क्या आपने मेरी बिल्ली देखी?” मिसेज़ किम ने पूछा. “वो नारंगी रंग की है.”

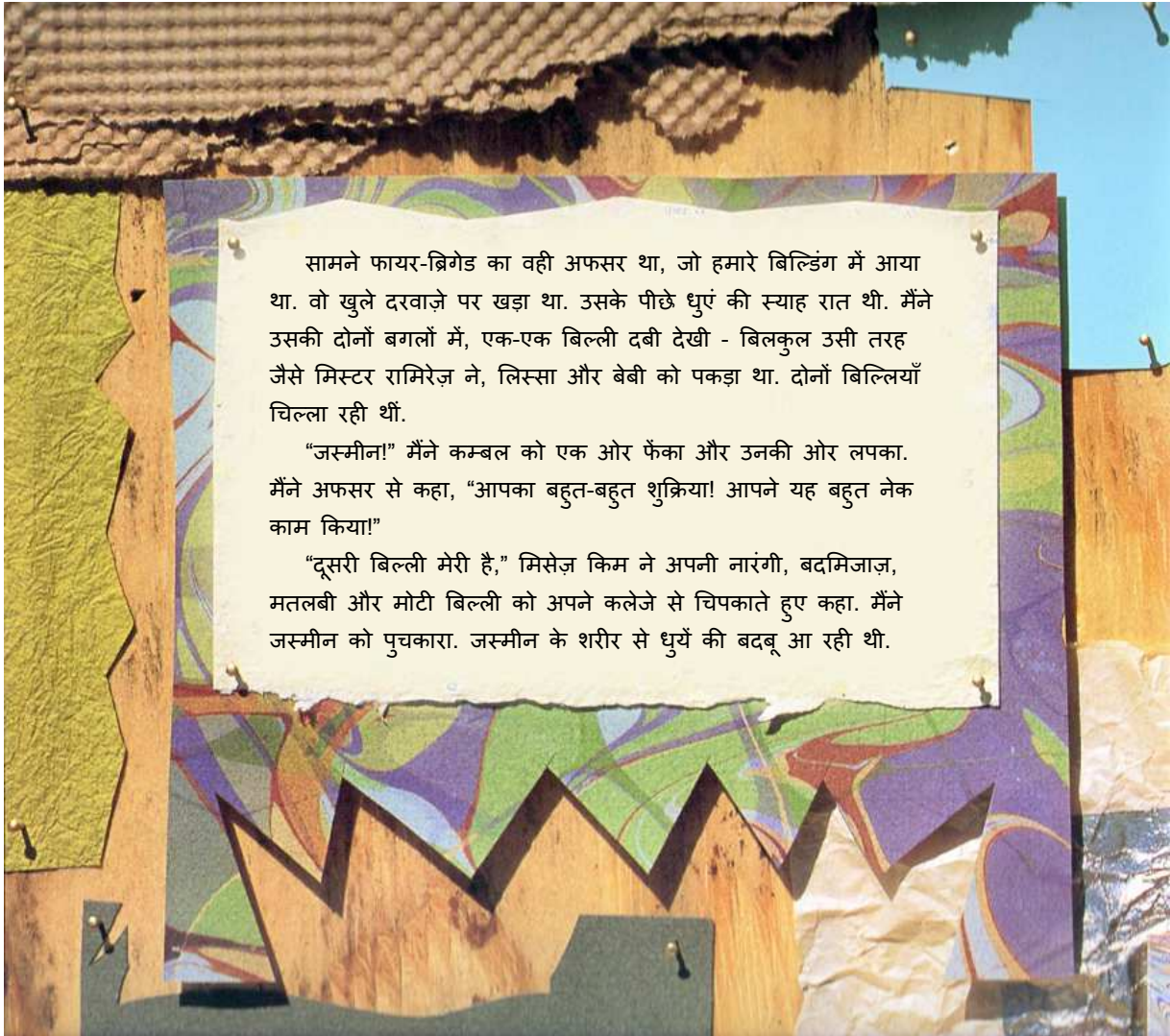
“उसका रंग बिल्कुल गाजर जैसा है,” मैंने कहने की सोची, और बाद में जोड़ा, “वो मोटी, बदमिजाज़ और मतलबी भी है. पर मैंने यह सब कुछ कहा नहीं.

एक लड़की ने मुझे पीने ले लिए एक मग में गरम चॉकलेट दी. काश, उसमें कुछ ज्यादा चीनी होती. चॉकलेट पीने के बाद माँ ने मुझसे लेट जाने को कहा. वो हमेशा मुझसे लेटने को कहती थीं.

चर्च के हॉल में और लोग आते रहे. उनमें से कुछ रो रहे थे. एक औरत जोर-जोर से बिलख रही थी. उसे देखकर मैंने अपना मुँह कम्बल में छिपा लिया.

फिर माँ ने कहा, “डेनियल, देखो!”



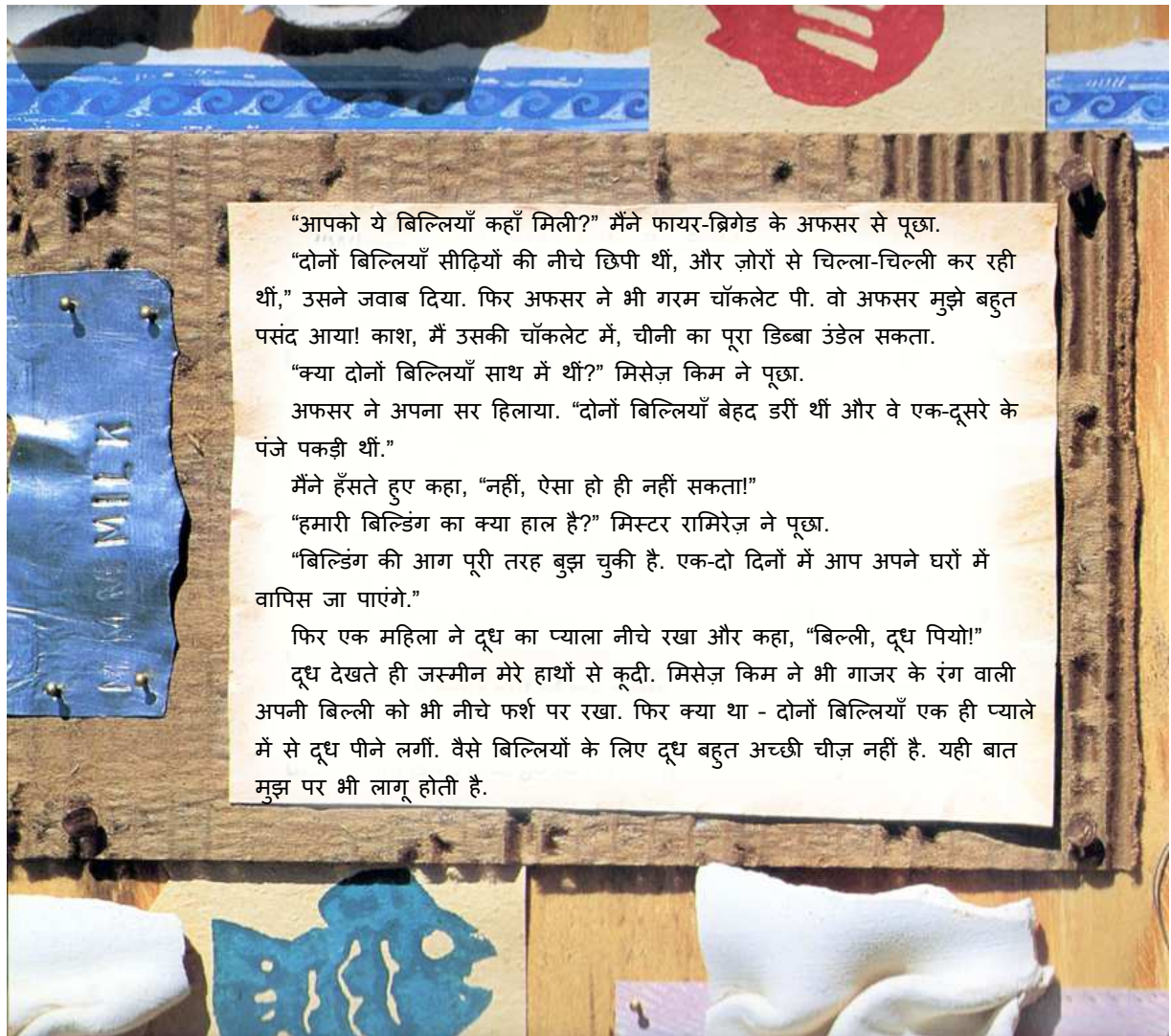
A piece of white paper with text is pinned to a colorful, abstract background. The background features various shades of green, purple, and yellow, with some areas appearing to be made of torn paper or fabric. The paper is held in place by several small metal pins. The text on the paper is in Hindi and describes a scene involving a fire brigade officer and two cats.

सामने फायर-ब्रिगेड का वही अफसर था, जो हमारे बिल्डिंग में आया था. वो खुले दरवाज़े पर खड़ा था. उसके पीछे धुएं की स्याह रात थी. मैंने उसकी दोनों बगलों में, एक-एक बिल्ली दबी देखी - बिल्कुल उसी तरह जैसे मिस्टर रामिरेज़ ने, लिस्सा और बेबी को पकड़ा था. दोनों बिल्लियाँ चिल्ला रही थीं.

“जस्मीन!” मैंने कम्बल को एक ओर फेंका और उनकी ओर लपका. मैंने अफसर से कहा, “आपका बहुत-बहुत शुक्रिया! आपने यह बहुत नेक काम किया!”

“दूसरी बिल्ली मेरी है,” मिसेज़ किम ने अपनी नारंगी, बदमिजाज़, मतलबी और मोटी बिल्ली को अपने कलेजे से चिपकाते हुए कहा. मैंने जस्मीन को पुचकारा. जस्मीन के शरीर से धुयें की बदबू आ रही थी.





“आपको ये बिल्लियाँ कहाँ मिली?” मैंने फायर-ब्रिगेड के अफसर से पूछा.

“दोनों बिल्लियाँ सीढ़ियों की नीचे छिपी थीं, और जोरों से चिल्ला-चिल्ली कर रही थीं,” उसने जवाब दिया. फिर अफसर ने भी गरम चॉकलेट पी. वो अफसर मुझे बहुत पसंद आया! काश, मैं उसकी चॉकलेट में, चीनी का पूरा डिब्बा उंडेल सकता.

“क्या दोनों बिल्लियाँ साथ में थीं?” मिसेज़ किम ने पूछा.

अफसर ने अपना सर हिलाया. “दोनों बिल्लियाँ बेहद डरी थीं और वे एक-दूसरे के पंजे पकड़ी थीं.”

मैंने हँसते हुए कहा, “नहीं, ऐसा हो ही नहीं सकता!”

“हमारी बिल्डिंग का क्या हाल है?” मिस्टर रामिरेज़ ने पूछा.

“बिल्डिंग की आग पूरी तरह बुझ चुकी है. एक-दो दिनों में आप अपने घरों में वापिस जा पाएंगे.”

फिर एक महिला ने दूध का प्याला नीचे रखा और कहा, “बिल्ली, दूध पियो!”

दूध देखते ही जस्मीन मेरे हाथों से कूदी. मिसेज़ किम ने भी गाजर के रंग वाली अपनी बिल्ली को भी नीचे फर्श पर रखा. फिर क्या था - दोनों बिल्लियाँ एक ही प्याले में से दूध पीने लगीं. वैसे बिल्लियों के लिए दूध बहुत अच्छी चीज़ नहीं है. यही बात मुझ पर भी लागू होती है.



“ज़रा इन दोनों को देखो,” माँ ने हैरानी से कहा, “मुझे लगता था कि यह दोनों बिल्लियाँ एक-दूसरे की दुश्मन हैं.”

“शायद ये पहले एक-दूसरे को नहीं जानती थीं,” मैंने समझाते हुए कहा. “पर अब ये एक-दूसरे को अच्छी तरह जानती हैं.”

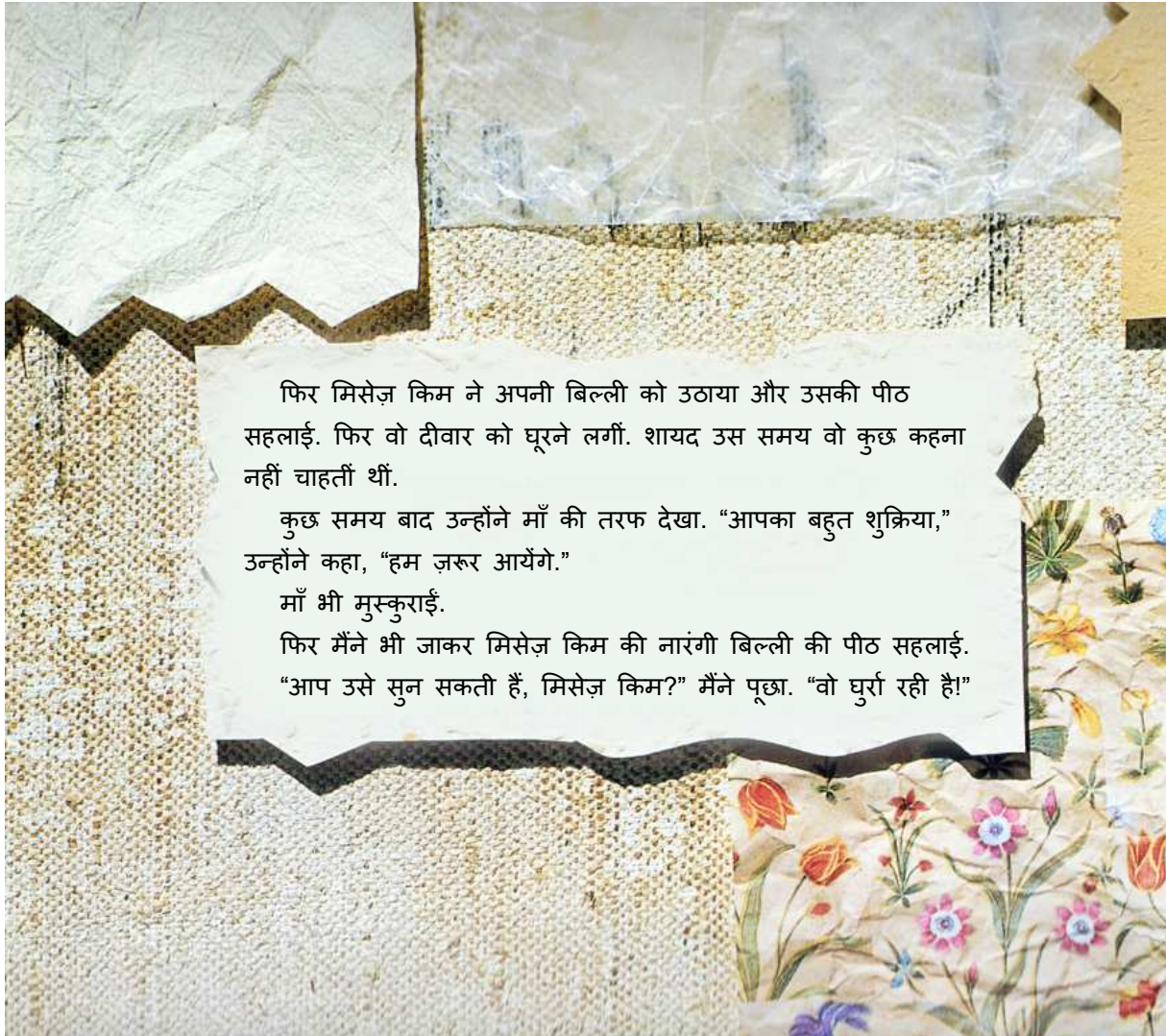
यह सुनते ही सबने मेरी ओर देखा और फिर एकदम सन्नाटा छा गया.

“क्या मैंने कुछ गलत कहा?” मैंने हल्के से माँ से पूछा.

“नहीं, डेनियल,” माँ ने घबराहट में उगलियां चटखाते हुए कहा. “मेरा नाम गेना है,” उन्होंने मिसेज़ किम से कहा. “जब स्थिति सामान्य हो जाए, तब आप हमारे यहाँ बिल्ली के साथ खाने पर ज़रूर आर्यें.”

मुझे यह एक मज़ाक जैसा लगा. पर कोई भी नहीं हंसा.





फिर मिसेज़ किम ने अपनी बिल्ली को उठाया और उसकी पीठ सहलाई. फिर वो दीवार को घूरने लगीं. शायद उस समय वो कुछ कहना नहीं चाहती थीं.

कुछ समय बाद उन्होंने माँ की तरफ देखा. “आपका बहुत शुक्रिया,” उन्होंने कहा, “हम ज़रूर आयेंगे.”

माँ भी मुस्कुराई.

फिर मैंने भी जाकर मिसेज़ किम की नारंगी बिल्ली की पीठ सहलाई.

“आप उसे सुन सकती हैं, मिसेज़ किम?” मैंने पूछा. “वो घुरा रही है!”







लोस एंजलिस में जब दंगे हुए
उसके बाद से बच्चों पर उनका क्या
क्या प्रभाव होता है उसके बारे में
ईव बनटिंग सोचने लगीं. बच्चों पर
दंगों के दौरान क्या गुजरती है? इसी
पर आधारित यह किताब है.

ईव बनटिंग ने बच्चों के लिए 100
से ज्यादा किताबें लिखीं हैं. वो 87
वर्ष की हैं, और अपने पति के साथ
पैसाडेना, कैलिफ़ोर्निया, अमरीका में
रहती हैं.

डेविड डिअज़ बहुत जाने-माने
आर्टिस्ट हैं. उन्हें बहुत से
अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं.
वो भी अपनी पत्नी और तीन बच्चों
के साथ कैलिफ़ोर्निया, अमरीका में
रहते हैं.



“ऐसी किताब, जिसे आप जल्दी भूल नहीं पाएंगे”

- हॉर्न बुक मैगज़ीन.

“बेहद उत्कृष्ट और सुन्दर.” - किर्कुस रिव्यू